Paper - I

MT

Seat No. | | | | | | | |

2018 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - I

Time : 3 Hours **(Pages 09)** **Max. Marks : 80**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य **20 अंक**

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) एक - एक शब्द में उत्तर लिखिए। **2**

i) परिच्छेद में प्रयुक्त एक महीना -

ii) इस पर सवार था एक मनुष्य -

iii) इस प्रकार भाग रहा था मृग -

iv) दौड़ की जीत - हार पर इसका जीवन निर्भर था :-

मई का महीना और मध्याह्न का समय था। ऐसा विदित होता था मानो पृथ्वी उसके भय से थर-थर काँप रही थी। ठीक ऐसे ही समय एक मनुष्य एक हिरन के पीछे उन्मत्त भाव से घोड़ा दौड़ाए चला आ रहा था । उसका मुँह लाल हो रहा था और घोड़ा पसीने से लथपथ । किंतु मृग भी ऐसा भागता था मानो वायु वेग से जा रहा हो। ऐसा प्रतीत होता था कि उसके पग पृथ्वी को स्पर्श नहीं करते । इसी दौड़ की जीत-हार पर उसका जीवन निर्भर था ।

अश्वारोही के सारे शरीर का रुधिर उबल-सा रहा था । किंतु मृग का भागना उसे इस बात का अवसर न देता था कि वह अपनी बंदूक को सँभाले । कितने ही ईख के खेत, ढाक के वन और पहाड़ सामने पड़े और तुरंत ही 'सपने की संपत्ति' की भांति अदृश्य हो गए ।

2) i) **समझकर लिखिए।** **1**

ये अदृश्य हो गए सपने की संपत्ति की भाँति

(1) -------- (2) -------- (3) --------

ii) **विधानों के साथ सत्य / असत्य लिखिए।** **1**

(1) एक मनुष्य एक हिरन के पीछे शांत भाव से घोड़ा दौड़ाए चला आ रहा था ।

(2) अश्वारोही के सारे शरीर का रुधिर वह रहा था ।

3) i) **निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलिए।** **1**

(1) मृग (2) घोड़ा

ii) **निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए ।** **1**

(1) समय × (2) अदृश्य ×

4) 'मूक जानवरों की हत्या करना ।' बहुत बड़ा पाप होता है । अपने विचार लिखिए । **2**

प्र.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) इसकी बर्थ डे पार्टी थी -

(2) बाहर लॉन में आकर विनायक बाबू ने यह कार्य किया -

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) गेंडा इससे बना था -

(2) ऐसी थी गेंडे की नाक -

बड़े साहब ने उन्हें पहले ही बता दिया था अपनी बेबी टीना के बर्थ-डे के बारे में और इसी लिए आज ऑफिस की बजाय उनके घर पर ड्यूटी बजानी थी उन्हें ।

सुबह से ही वे साहब के बँगले पर पहुँच गए थे । बड़े साहब की बेटी की वर्षगाँठ! कोई छोटी-मोटी बात तो थी नहीं। पार्टी का सारा इंतजाम हालाँकि बाहर से करवाया गया था, पर घर के न जाने कितने कामों को अंजाम देना था। विनायक बाबू चकरघिन्नी की तरह घूमते ही रह गए । साहब के महल जैसे बँगले को भीतर से देखने का सौभाग्य भी आज ही मिला था । हैरानी है, इतने बड़े बँगले में बस चार-पाँच लोगों का परिवार! पर किस-किस चीज पर आश्चर्य करें विनायक बाबू! उनकी तो साँस रुक गई जब उन्हें घर के एक नौकर ने बताया कि ड्राइंगरूम में लगी एक पेंटिंग की क़ीमत दो लाख है । केन्या से मँगाए गए एक काले पत्थर के गेंडे की कीमत भी लगभग इतनी ही थी । दाम सुनने के बाद जब उनकी नजर पेंटिंग पर पड़ी तो मक्खियों की भनभनाहट उनके कानों में गूँजने लगी । गेंडे की नाक भी सींग की तरह उठी हुई थी, नुकीली, और पता नहीं क्यों विनायक बाबू को लगा कि गेंडा अचानक जीवित होकर उनके ऊपर चढ़ जाएगा और सींग जैसी नाक से उनकी छाती फाड़ डालेगा। वे तत्काल ही ड्राइंगरूम से हट गए थे और बाहर लॉन में आकर कुर्सियों आदि की व्यवस्था में डेकोरेटर्स की मदद करने लगे थे ।

2) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) यह मँगवाया गया था केन्या से -

(2) तब विनायक बाबू की साँस रुक गई -

ii) **सत्य /असत्य पहचानकर लिखिए।** **1**

(1) गेंडे की नाक भी पूँछ की तरह उठी हुई थी ।

(2) विनायक बाबू सुबह से ही साहब के बँगले पर पहुँच गए थे ।

3) i) **रिक्त चौखट में उत्तर लिखिए।** **1**

जैसे गड़बड़ → गड़बड़ाहट

(1) फड़फड़ → ____

(2) भनभन → ____

ii) **निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।** **1**

(1) सौभाग्य × (2) व्यवस्था ×

4) **'दिखावे के लिए ढेर सारे पैसे खर्च करना संपन्न वर्ग का शौक होता है।' अपने विचार लिखिए।** **2**

प्र.1. (ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(4)**

1) समझकर लिखिए। **1**

भारत देश की विशेषता केवल दो शब्दों में लिखिए।

2) उत्तर लिखिए। **1**

अमरनाथ के अलावा हिमालय की श्रेणियों में बसे अन्य तीर्थस्थान हैं -

भारत जैसा सुंदर और महान देश दूसरा कौन-सा है, जिसके उत्तर में हिमालय जैसा विश्व प्रसिद्ध विशाल पर्वत है। इस पर्वत को हम देवताओं का स्वर्ग कहें, ऋषियों का तपोवन कहें, प्राकृतिक सुषमा का भंडार कहें, पवित्र निर्मल जलाशयों का आगार कहें, हिम का मुकुट कहें, उत्तर का प्रहरी कहें या संसार का सौंदर्य कहें या जो कुछ भी कहें, वह पूर्ण रूप से सत्य होगा। इस पुण्यभूमि का भारत के इतिहास से गहरा संबंध है। भूगोल का यह मानदंड है। मंदिरों का यह क्षेत्र है। तीर्थ यात्रियों के लिए यह धर्म भूमि है और सैलानियों के लिए स्वर्ग।

विशाल हिमालय पर्वत की श्रेणियाँ कश्मीर से असम तक फैली हुई हैं। इन श्रेणियों में अमरनाथ, बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्तरी, यमुनोत्तरी आदि अनेक तीर्थ स्थान हैं जिनके दर्शन के लिए देश के विभिन्न प्रदेशों के निवासी लालायित रहते हैं। इसी पर्वत श्रेणी में कश्मीर है, जो पृथ्वी का स्वर्ग कहलाता है।

3) हमारा प्यारा देश पर अपने विचार लिखिए । **2**

विभाग 2 - पद्य **16 अंक**

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

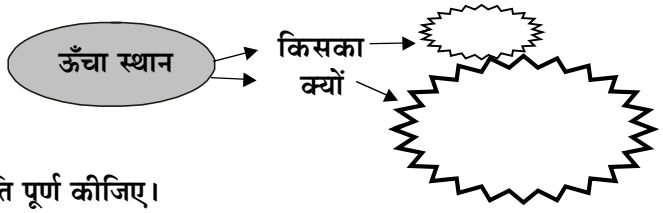

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **2**

(1)

(2)

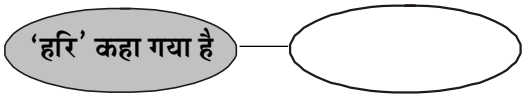

कबीरा ते नर अंध हैं, गुरु को कहते और।
हरि रूठे गुरु ठौर है, गुरु रूठे नहिं ठौर।।

2) i) **पद्यांश पर आधारित दो प्रश्न तैयार कीजिए।** **1**

(1) ..... (2) .....

ii) **उचित विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** **1**

(1) कबीरा ते नर ..... है, गुरु को कहते और। (अंध, मूर्ख, ज्ञानी)

(2) हरि रूठे गुरु ठौर है ..... रूठे नहिं ठौर ।। (प्रभु, मित्र, गुरु)

3) i) **समानार्थी शब्द लिखिए।** **1**

(1) नर (2) अंध

ii) **आँख पर गढ़े गए मुहावरे लिखिए।** **1**

(1) ..... (2) .....

4) निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए। **1**

''कबीरा ते नर अंध हैं, गुरु को कहते और।
हरि रूठे गुरु ठौर है, गुरु रूठे नहिं ठौर।।''

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) उत्तर लिखिए। **1**

i) देश की बालकों से माँग

(1) ..... (2) .....

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

जय, विजय लिखने के स्थान -

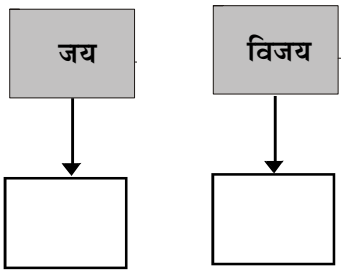

देश माँगता कि खून से रंगा गुलाब दो,
तुम उठो सिपाहियो ! शत्रु को जवाब दो,
झूम-झूमकर मलो युद्ध के गुलाल को।
शूरवीर बालको !
थाम लो सँभालकर देश की मशाल को !
दूर तक जमीन पर शानदार जय लिखो,
तुम विशाल सिंधु पर खून से विजय लिखो,
तोड़ दो पिशाच के तुम हरेक जाल को।

2) सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए । **2**

i) कवि ने बालकों को थामने के लिए कहा है .....

(देश की ज्वाला को /देश की ज्योत को /देश की मशाल को)

ii) अब पिशाच के जाल को तोड़ने की जिम्मेदारी .....

(शूरवीर बालकों की है / युवकों की है / कवि की है)

3) i) **पद्यांश में प्रयुक्त विरुद्ध अर्थ के शब्द लिखिए ।** **1**

(1) आसमान × ..... (2) लघु × .....

ii) **पद्यांश में आए विरामचिह्नों के नाम लिखिए ।** **1**

(1) ..... (2) .....

4) **उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।** **2**

विभाग 3 - पूरक पठन **04 अंक**

प्र.3. पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

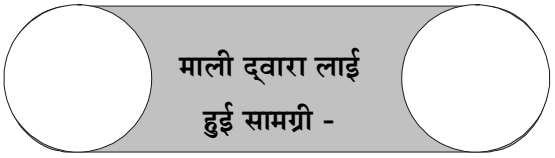

ii) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

उन्होंने मुझे जब भी किसी गोष्ठी की अध्यक्षता या किसी अनुष्ठान में उपस्थिति का आग्रह किया, मैंने सदैव उनके आदेश को सिरमाथे लिया। मैं बहुत कम बाहर जाती हूँ, किंतु उनके पत्र में कुछ ऐसा आत्मीयतापूर्ण अभिजात्य रहता कि मैं टाल नहीं पाती। एक बार आज से कोई आठ वर्ष पूर्व उन्होंने मुझे लक्खी सराय के बालिका विद्यापीठ में 'कन्याओं की विदा' के अनुष्ठान पर आमंत्रित किया।

''यह विद्यालय राजेंद्र प्रसाद जी की प्रिय शिक्षण संस्था रही है। यहाँ की शिक्षा पूर्ण करने पर जब कन्याएँ विदा लेती हैं तो उन्हें उसी स्नेह से विदा किया जाता है, जैसे पुत्री को मायके से विदा किया जाता है। गत वर्ष महादेवी जी पधारी थीं। उनके हाथ का लगा वृक्ष जिस अहाते में है, हमारी विदा हो रही कन्याओं की हार्दिक इच्छा है कि उसी के पार्श्व में आपके हाथों लगा वृक्ष लहलहाए। यात्रा कठिन अवश्य है, आपको कष्ट भी होगा, क्योंकि रेलवे स्टेशन नहीं हैं, किंतु हमारे सहयोगी कार लेकर किऊल उपस्थित रहेंगे। आपको आकर यह तो देखना ही है, कि आपके प्रशंसक यहाँ भी कितनी बड़ी संख्या में हैं। साहस कर मैं गई तो रात को बारह बजे किऊल के जनहीन बीहड़ स्टेशन पर पहुँचते ही सहम गई। लोगों से सुन चुकी थी कि किऊल से लक्खी सराय का मोटर मार्ग निरापद नहीं है, डाके भी आए दिन होते रहते हैं– मुझे लेने गाड़ी आई थी। विद्यापीठ पहुँची तो अतिथिशाला और भी भयानक लगी। उस दिन

बिजली भी चली गई थी। निराभरण कमरे में एक स्प्रिंग की पलंग पड़ी थी। न कोई चौकीदार, न आसपास कोई मकान। थोड़ी देर में एक लंबा–सा व्यक्ति, एक अधमरी लालटेन और एक मटके में पानी रख, तिरछा खड़ा होकर रहस्यमयी मुस्कुराहट बिखेरता बोला, ''हम माली हैं। आप दरवाजा बंद कर आराम से सोइए, हम वहाँ उस कोठरी में रहते हैं– खिड़की–दरवाजे बंद रखिएगा, कभी–कभी साला करैत घुस आता है।''

2) 'विदाई समारोह प्रेम व अपनत्व की भावना से भरा हुआ होता है।' अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 4 - व्याकरण

10 अंक

प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** ½
संघर्ष -

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए ।** ½
कर्तव्य ने ही मुझे डुबाया ।

2) निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए । **1**
सबने आखिर चैन का साँस लिया ।

3) i) **निम्नलिखित सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** ½
सकना

ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए ।** ½
कबरी बिल्ली घी - दूध पर अब जुट गई ।

4) प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए । **1**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
देखना		

5) i) **अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**
के अलावा -

ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए ।** **1**
अरे बाप रे ! इतना सामान !

6) कालपरिवर्तन कीजिए । 2

i) चपरासी खीझ गया । (सामान्य वर्तमानकाल)

ii) दोनों चुपचाप चलते हैं । (अपूर्ण भूतकाल)

7) i) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए । 1

नेत्र बेचकर चित्र खरीदना -

ii) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए । 1

(कान खड़े रहना, जान में जान आना, अपने पैरों पर खड़ा होना)

मानसून की वर्षा आरंभ हुई तब कहीं जाकर किसानों को धीरज प्राप्त हुआ ।

विभाग 5 - रचना

30 अंक

प्र.5. सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है : (15)

1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । 5

सरस्वती विद्यामंदिर, पूना को शिक्षक की आवश्यकता हैं । अत: पूना से सौरभ / रानी तिवारी विद्यालय के प्रधानाचार्य के नाम संबंधित पद के लिए आवेदन पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

गुड़गाँव निवासी दिवाकर / दिव्या कदम की आर्थिक दशा दयनीय है। अत: वह अपना मासिक शुल्क माफ करवाने हेतु अपने प्रधानाध्यापक, शास्त्री विद्यालय, शास्त्री नगर, गुड़गाँव के नाम प्रार्थना पत्र लिखता / लिखती है ।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए । 5

रुपरेखा : एक व्यापारी का व्यापार करने हेतु गाँव-गाँव घूमना – पेड़ की छाँव में विश्राम करना– बड़े पेड़ पर लगे छोटे फल देखकर ईश्वर की कृति पर हँसना – एक फल का उसके सिर पर गिरना – फल छोटे होने के कारण चोट न आना – ईश्वर से क्षमा माँगना ।

3) निम्नलिखित गद्यखंड को ध्यानपूर्वक पढ़कर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनका उत्तर एक वाक्य में लिखा जा सके । 5

स्वाधीन भारत में अभी तक अँग्रेजी हवाओं में कुछ लोग यह कहते मिलेंगे - जब तक विज्ञान और तकनीकी ग्रंथ हिंदी में न हों तब तक कैसे हिंदी में शिक्षा दी जाए । जब कि स्वामी श्रद्धानंद स्वाधीनता से भी चालीस साल पहले गुरुकुल काँगड़ी में हिंदी के माध्यम से विज्ञान जैसे गहन विषयों की शिक्षा दे रहे थे। ग्रंथ भी हिंदी में थे और पढ़ाने वाले भी हिंदी के थे । जहाँ चाह होती है वहीं राह निकलती है। एक लंबे अरसे तक अंग्रेज गुरुकुल काँगड़ी को भी

राष्ट्रीय आंदोलन का अभिन्न अंग मानते रहे । इसमें कोई संदेह भी नहीं कि गुरुकुल के स्नातकों में स्वाधीनता की अजीब तड़प थी । स्वामी श्रद्धानंद जैसा प्राध्यापक हो वहाँ राष्ट्रीयता नहीं पनपेगी तो कहाँ पनपेगी । स्वामी जी से मिलने देश के प्रमुख राष्ट्रीय नेता भी गुरुकुल आते रहते थे ।

प्र.6. 1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए :- **5**

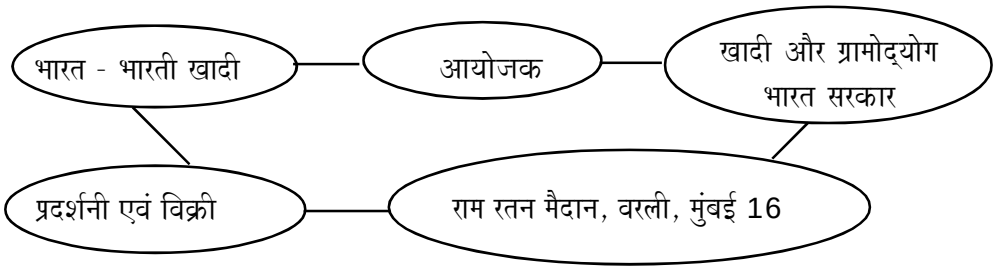

2) स्वमत । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

समाचारपत्र में अकाल का चित्र छपा हुआ था। उस चित्र को देखकर मेरे मन में विचार आए.....

3) किसी एक विषय पर निबंध लिखिए । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

1) पुस्तक की आत्मकथा
2) यदि संगणक न होता .....

Best Of Luck